...पत्रावली दि० 1-8-2014 को पेश हो।

पत्रावली पेश हुई। अभिभाषक संघ ने कार्य का बहिष्कार किया है। P.O. साहब दौरे पर ~~अवकाश पर/अन्य कार्यों में व्यस्त~~ हैं। पत्रावली दि० 19-9-14 को पेश हो।

रीडर

9-9-14 पत्रावली पेश हुई/वकील वादी/~~प्रतिवादी~~ उपस्थित है। श्रीमान् P.O. साहब दौरे पर है। ~~अवकाश पर है/का स्थानान्तरण हो गया है।~~ अतः पत्रावली दि० 7-11-14 को पेश हो।

रीडर

7-11-14 पत्रावली पेश हुई/वकील वादी/~~प्रतिवादी~~ ~~उपस्थित है। श्रीमान् P.O. साहब~~ पी० चुनाव कार्य में व्यस्त है। ~~दौरे पर है। अवकाश पर है/का स्थानान्तरण हो गया है।~~ अतः पत्रावली दि० 19-12-14 को पेश हो।

रीडर

19-12-14 पत्रावली पेश हुई/वकील वादी/प्रतिवादी उपस्थित है। श्रीमान् P.O. साहब अन्य कार्यों में व्यस्त है। ~~दौरे पर है। अवकाश पर है/का स्थानान्तरण हो गया है।~~ अतः पत्रावली दि० 13.2.15 को पेश हो।

रीडर

13-2-15 पत्रावली पेश हुई वकील सायल उप० है। तलबी जे०ना० मय की आकर पत्रावली दि० 27-3-15 को पेश हो।

27-3-2015 वकील उभयपक्ष उपस्थित है। बहस वकील सायल सुनी गई। प्रस्तुत अभिलेख का अवलोकन किया। वादग्रस्त भूमि गैरसायल की खातेदारी में है। सायल जिस दस्तावेज के आधार पर वादग्रस्त भूमि ख०नं० $\frac{742}{1.25}$ ग्राम ऊमरी पर अपना कब्जा होना बताता है उस दस्तावेज में भूमि का ख०नं० व रकबा ही

तारीख हुक्म	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल जज	नम्बर व ता[illegible] अहकाम जो हुक्म की ता[illegible] में जारी हु[illegible]
	दर्ज नही है। इस प्रकार गैरसायल का दस्तावेज ही प्रथम द्रष्टया वेग है एवं इसके आधार पर सायल कोई रिलीफ प्राप्त करने का अधिकारी नही है। अतः सायल का ट॰ इ॰ प्रा॰ पत्र खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसलशुमार होकर नम्बर से कम हो एवं बाद तकमील मूल वाद के साथ संलग्न रहे। (हस्ताक्षर)	